Department of Political science
D.B. College Jaynagar
B.A- part-II (Pub. Ad)

By. DR. A.K. Yadav
(Asstt prof N.P.T.T)

Date-28-09-20

Lecture Nr- 27 And 28

संगठन के प्रकार — औपचारिक संगठन व अनौपचारिक संगठन

[redacted] - संगठन की प्रकृति, उद्देश्य, निर्माण पद्धति कार्य एवं अन्य आधार तत्वों को ध्यान रखते हुए सामान्यः उसे दो भागो में विभाजित किया जाता है।—

1- औपचारिक संगठन (formal organisation)
2. अनौपचारिक संगठन (Informal organisation)

1- औपचारिक संगठन – (formal organisation) — व्यवस्थित व नियोजित ढंग से निर्मित संगठन जिसमें स्थिति, अधिकार एवं उत्तरदायित्व की स्पष्टता है, उसे औपचारिक या यांत्रिक संगठन कहा जाता है। यांत्रिक संगठन को संगठनात्मक कार्यात्मक (structural functional) भी कहा जाता है क्योंकि उसकी संरचना का निर्माण औपचारिक एवं सुनिश्चित होता है तथा प्रशासनिक प्रक्रिया के निर्धारण में भी व संचालन में भी स्पष्टता रहती है। औपचारिक संगठनों में अधिकार उच्च से निम्न स्तर को प्रवाहित होता है और पूरी संगठन की संरचना संस्था के उद्देश्यों को पाने की कोशिश करती है। एल० उर्विक ने अपनी पुस्तक प्रशासन के तत्व (Elements of Administration) के द्वारा कहा है कि "संगठन ऐसा औपचारिक ढाँचा है, जिसकी रचना स्पष्ट सिद्धांतों, नियमों तथा उपनियमों के आधार पर की जाती है।"

Scanned with CamScanner

एल० डी० व्हाइट के शब्दों में, "संगठन सम्बन्धों की एक औपचारिक घोषित प्रतिकृति है जो शासन में विधि तथा उच्चतम प्रबन्ध द्वारा स्थापित की जाती है।"

साइमन, स्मिथबर्ग तथा थाम्पसन के शब्दों में, "औपचारिक संगठन वह है जिसमें व्यवहार तथा सम्बन्धों को जान-बूझकर औचित्य के आधार पर संगठन के सदस्यों के लिए योजनाबद्ध कर दिया जाता है।"

<u>औपचारिक संगठन के लाभ</u> — औपचारिक संगठन को लाभप्रद संगठन माना जा सकता है। हेय तथा मेकी ने इसके कई लाभ बताए हैं —

1. इसमे आपसी मतभेद का अंत हो जाता है।
2. इसके अन्दर किसी कार्य को दोहराना सम्भव नही होता है।
3. इसके उत्तरदायित्वों में अन्तर बहुत कम होता है।
4. इसमें घालमटोल की सम्भावना नही होती है।
5. इसके अन्दर सुरक्षा की भावना को बल मिलता है।
6. इसके द्वारा उद्देश्यों को पाना काफी सरल होता है।
7. इसमें कार्यो को सही माप-तौल द्वारा निर्धारित किया जाता है।

<u>औपचारिक संगठन की हानि</u> → औपचारिक संगठन से निम्नलिखित हानि है —

(1) इस संगठन में समन्वय की समस्या हमेशा बनी रहती है।

(2) इसमें अन्य संगठनो की मान्यताओं एवं भावनाओं की उपेक्षा की जाती है।

(3) इसके द्वारा पहल शक्ति की समाप्ति हो जाती है।

(4) इसमें अधिकारी अपने अधिकारों का प्रयोग अपने फायदे के लिए करते है।

(5) यन्त्रवत होने के कारण ऐसे संगठन में मनुष्य से ज्यादा नियम और नीति का महत्व होता है।

(6) इसमें समन्वय की समस्या खतरनाक रूप से हमेशा बनी रहती है।

(End) Date- 28-09-20

Scanned with CamScanner